www.vibhorvarta.com

R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251

E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक

विभोर वार्ता

"मिथ्या से दूर सत्य के पास"

हरिद्वार

मंगलवार, 24 जून 2025

(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)

वर्षः 17 अंकः 229

पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

देहरादून(ब्यरो)। राज्य में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। बता दें कि उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अधि सूचना तक जारी कर दी गई थी। जहां 25 जून से नामांकन प्रक्रिया होने का एलान कर दिया था। आचार संहिता भी लागू हो गई थी। इन सभी तैयारियों के बीच नैनीताल हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया है। नैनीताल हाईकोर्ट ने रिजर्वेशन पर स्थिति स्पष्ट नहीं होने की वजह से रोक लगाई है। बता दें कि, बागेश्वर निवासी गणेश दत्त कांडपाल व अन्य ने हाईकोर्ट में ये याचिकाएं दायर की हैं। इनमें कहा है कि सरकार ने बीती नौ जून

को एक आदेश जारी कर पंचायत चुनाव के लिए नई नियमावली बनाई। साथ ही 11 जून को आदेश जारी कर अब तक पंचायत चुनाव के लिए लागू आरक्षण रोटेशन को शून्य घोषित करते हुए इस वर्ष से नया रोटेशन लागू करने का निर्णय लिया है। जबकि हाईकोर्ट ने पहले से ही इस मामले में दिशा निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि इस आदेश से पिछले तीन कार्यकाल से जो सीट आरक्षित वर्ग में थी, वह चौथी बार भी आरक्षित कर दी गई है। इस कारण वे पंचायत चुनाव में भाग नहीं ले पा रहे हैं। इस मामले में सरकार की ओर से बताया गया कि इसी तरह के कुछ मामले एकलपीठ में भी दायर हैं। जबकि याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने खंडपीठ में 9 जून को जारी नियमों को भी चुनौती दी है। सरकार की ओर से आगे बताया गया कि एकलपीठ के समक्ष केवल नए सिरे से आरक्षण लागू करने का उल्लेख वाले 11 जून के आदेश को चुनौती दी गई है।

26 जून तक प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

देहरादून(ब्यूरो)। मौसम विज्ञान विभाग ने 22 से 26 जून तक राज्य के देहरादून, नैनीताल, टिहरी, चंपावत में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर यूएसडीएमए के अधीन राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसओईसी) ने संबंधित जिलों के डीएम को पत्र भेजकर सावधानी बरतने को कहा है। इसमें आपदा प्रबंधन आईआरएस के नामित अधिकारी व विभागीय नोडल अधिकारी अलर्ट पर रहेंगे। भूस्खलन के लिए संवेदनशील मार्गों पर उपकरणों की पहले व्यवस्था रखी जाएं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए आवागमन में नियंत्रण बरता जाए। सभी राजस्व उप निरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधि कारी अपने तैनाती क्षेत्रों में बने रहेंगे।

पंचायत चुनावों पर कांग्रेसी दिग्गजों का मंथन

देहरादून(ब्यूरो)। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा ने आगामी पंचायत चुनावों के लिए प्रदेश के बारह वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को जिला प्रभारी नियुक्त किया। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पंचायत चुनावों के संबंध में संपन्न वरिष्ठ नेताओं की बैठक जिसकी अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने की और जिसमें प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरिश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मंत्री डॉक्टर हरक सिंह रावत और प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना उपस्थित रहे में पंचायत चुनावों को लेकर गहन विचार विमर्श हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी नेताओं ने पंचायत चुनावों को बहुत गंभीरता के साथ लड़ने की मंशा जाहिर की व उसके लिए ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान , छेत्र पंचायत सदस्य व छेत्र पंचायत प्रमुख , जिला पंचायत सदस्य व जिला पंचायत अध्यक्ष तक के चुनावों के लिए मैदान में मजबूत उम्मीदवार उतारे जाएं व उनके लिए पार्टी कार्यकर्ता व नेता पूरी ताकत से काम करें।

प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि भाजपा ने पंचायत चुनावों की शुरुआत ही बेइमानी से की। उन्होंने कहा कि पंचायतों का आरक्षण रोस्टर जिस प्रकार से शून्य किया गया वो असंवैधानिक है और पंचायत राज अधिनियम का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष व सदस्य, छेत्र पंचायत प्रमुख व सदस्य तथा ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्य के आरक्षण का आधार अलग अलग रखा गया जो पूर्ण रूप से नियम विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि चुनाव दो चरणों में कराया जाना भी यह साबित करता है कि भाजपा हार के डर से दो चरणों में मतदान करवा।कर फर्जी वोट डलवाने व बाहुबल व सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग कर चुनाव को येन केन प्रकारेंण जितना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री हरिश रावत ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी को पूरी ताकत से अपने समर्थित उम्मीदवारों को यह चुनाव जीतने में हर संभव सहायता प्रदान करनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष यशपाल

(शेष पृष्ठ सात पर....)

319 करोड़ दबाकर बैठे शराब ठेकेदार, अब आबकारी विभाग की सख्ती शुरू

देहरादून(ब्यूरो)। उत्तराखंड में शराब के ठेकेदारों ने आबकारी विभाग के 319 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि बकाया रखी है। बीते 6 वर्षों से यह बकाया लगातार बढ़ता जा रहा है और अब तक विभाग केवल 18.43 करोड़ रुपये की ही वसूली कर पाया है। इस स्थिति से नाराज होकर आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल ने विशेष वसूली अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

आयुक्त ने 1 अपर आयुक्त और 3 संयुक्त आयुक्तों को वसूली की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 25 जून से 15 जुलाई तक राज्यभर में विशेष वसूली अभियान चलाया जाएगा।

नवनियुक्त आबकारी आयुक्त अनुराध ा पाल ने शराब कारोबारियों पर बकाया राजस्व की गहन समीक्षा की। उन्होंने पाया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2024-25 तक शराब कारोबारियों पर कुल 337.70 करोड़ रुपये का राजस्व बकाया है, जबकि वसूली मात्र 18.43 करोड़ रुपये की ही हो पाई है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्होंने कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

- वसूली की जिम्मेदारी अधिकारियों को सौंपी
- अपर आयुक्त पीएस गर्ब्याल ख्र देहरादून और हरिद्वार
- संयुक्त आयुक्त टीके पंत ख्र ऊध म सिंह नगर एवं नैनीताल
- संयुक्त आयुक्त केके कांडपाल ख्र अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़ एवं चंपावत
- संयुक्त आयुक्त रमेश चौहान ख्र पौड़ी, उत्तरकाशी और चमोली

(शेष पृष्ठ सात पर....)

मुख्यमंत्री का संकल्प, 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा के साथ जारी रहे तीर्थयात्रियों का सत्कार:डीएम

डीएम का ऋषिकेश में चारधाम यात्रा व्यवस्था का निरीक्षण

देहरादून (सू.वि.)। जिलाधिकारी सविन बंसल ने विगत दिवस चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में यात्रियों की सुविधा और सहायता के लिए सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा से जुड़े अधिकारियो से सुगम व सुरक्षित यात्रा को लेकर आवश्यकताओं की जानकारी भी ली।

जिलाधिकारी ने कहा कि फंड के कारण यात्रा व्यवस्थाओं में कोई कमी नही रहनी चाहिए। विभागों को अतिरिक्त फंड की आवश्यकता होगी तो जिला प्रशासन फंड की व्यवस्था भी करेगा। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा ट्रांजिट

कैंप ऋषिकेश में पंजीकरण काउंटर, चिकित्सा कक्ष, यात्री प्रतिक्षालय, भोजन, आवास, पेयजल, शौचालय एवं साफ सफाई व्यवस्थाओं को परखा। जिलाधि कारी ने निर्देश दिए कि यात्रियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। ट्रांजिट कैंप में स्थापित चिकित्सा केंद्र में यात्रियों का स्वास्थ्य जांच के साथ ही आवश्यक मेडिकल सुविधा सुचारू रखी जाए। प्रत्येक हैंगर, टेंट में शुद्ध पेयजल, चाय, भोजन की समुचित व्यवस्था रखें। शौचालयों में नियमित रूप से साफ सफाई रखें। होटल, धर्मशाला, गुरुद्वारा एवं ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के भोजन, पानी, शौचालय सहित ठहरने की उचित प्रबंध हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

इस दौरान एमएनए ऋषिकेश,उप जिलाधिकारी योगेश मेहर, मुख्य चिकित्सा अधिएमएनए ऋषिकेशकारी डा. एमके शर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सहित चारधाम यात्रा से जुड़े विभिन्न विभागों के अधि कारी मौजूद थे।

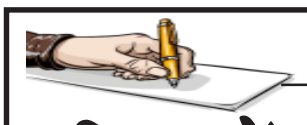

सुविधाओं से ज्यादा सैलानी

पर्यटक सीजन की धूम में हिमाचल की आर्थिकी का तूफान घोषित रूप से बता रहा है कि प्रमुख स्थल पूरी तरह पैक हैं। पर्यटन अगर रिकार्ड है, तो हिमाचल अटल टनल से लेकर शिमला-मनाली के माल तक और मकलोडगंज से कसौली-डलहौजी तक इन दिनों खचाखच भरा है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या खचाखच भरना ही पर्यटन की सफलता है। हो सकता है किसी अछूते स्थान पर दर्जनों होटल इकाइयां बन कर चल पड़ें, लेकिन क्या इनकी अनुमति देने से पहले वहां की मौलिक सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाता है। हिमाचल में धड़ाधड़ उभरते नए पर्यटक स्थल दरअसल ऐसी इकाइयों का नाम है जहां सिर्फ रहने की व्यवस्था है, नागरिक सुविधाओं का पूरी तरह अभाव है। इतना ही नहीं वन विभाग भी जहां शुल्क लेकर ट्रैकिंग करवा रहा है, वहां भी यह सुनिश्चित नहीं है। त्रियूंड जाने वाले महिला सैलानियों की यह शिकायत रहती है कि रास्ते में रेन शैड, पानी तथा प्रसाधन जैसी सुविधाएं नहीं हैं। इस साल जंजैहली व तीर्थन घाटी, चूड़धार व शिकारी देवी तथा अन्य स्थानों जैसे बीड़-बिलिंग इत्यादि में भारी संख्या में केवल टूरिस्ट ही नहीं पहुंच रहे, बल्कि वाहन व गंदगी भी पसर रही है। पूरे हिमाचल में पर्यटन के बाइप्रोडेक्ट के रूप में ट्रैफिक जाम, गंदगी, नशा, अपराध तथा अफरातफरी का आलम भी शिरकत कर रहा है। यह इसलिए कि टूरिज्म योजनाओं को केवल होटल इकाइयों की बंद मुट्ठी में भर लिया। सुविधाओं के मानदंड में व्यापार का स्वभाव, होटल, ट्रैवल व परिवहन संगठनों के सरोकार तथा स्थानीय जनता की स्वीकारोक्ति भी जरूरी हो जाती है। पर्यटक सीजन के उफान पर स्थानीय जनता की सुविधाओं और जरूरतों की छीना-झपटी ही नहीं होती, बल्कि कुछ वस्तुओं की आपूर्ति व उनके मूल्यों पर भी प्रतिकूल असर होता है। ऐसे में एक राज्य स्तरीय पर्यटन विकास प्राधिकरण के तहत सैलानियों की तादाद का मूल्यांकन, आवश्यक अधोसंरचना, सुविधा व परिवहन के संचालन की जिम्मेदारी से जोडना होगा। पर्यटकों का पंजीकरण एक ऐप के जरिए प्रवेश द्वार पर ही होना चाहिए, ताकि उनके लिए आवश्यक निर्देश, सुरक्षित मार्गों की जानकारी, पर्यटक स्थलों और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी व ठहरने की प्रमाणित व्यवस्था की उचित सूचना भी दी जाए। अब समय आ गया है कि हम पर्यटकों को अलग-अलग सर्किटों के मार्फत पूरा प्रदेश घुमाएं। हिमाचल एक बार नहीं, बार-बार की अवधारणा में पर्यटकों की यात्रा को सुनिश्चित करने में मदद की जाए। प्रमुख पर्यटक व धार्मिक स्थलों से आठ-दस किलोमीटर पहले सारे पर्यटक वाहनों को महापार्किंग सुविधा देते हुए रोकें तथा आगे का सफर सार्वजनिक परिवहन मोड या रज्जु मार्गों से करवाया जाए। इस दिशा में परवाणु-तारादेवी रोप-वे प्रोजेक्ट एक आशा पैदा करता है, लेकिन आने वाले समय में ऐसी परियोजनाओं पर ही पर्यटन का वास्तविक विकास निर्भर करेगा। 'हिमाचल ऑन रोप-वे' की अवधारणा ट्रैफिक जाम व पर्यटक केंद्रो को भीड़तंत्र से बचा सकता है। प्रदेश को कुछ मार्गों को पर्यटक मार्गों के रूप में सुदृढ़ करना है। इस दिशा में मकलोडगंज-डलहौजी मार्ग की रूपरेखा एक विकल्प हो सकती है। प्रदेश में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए चौराहों का विकास, ट्रैफिक नियंत्रण लाइट्स तथा मुख्य मार्गों से हटकर बस स्टॉप तथा बस स्टैंड का निर्माण करना होगा।

तेजी से बढ़ता भारत का एआई बाजार

हाल ही में 11 जून को बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बाजार 2027 तक 3 गुना से ज्यादा बढकर 17 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत में एआई में बढ़ता निवेश, स्टार्टअप्स की लहर, डिजिटल तंत्र और दमदार प्रतिभा आधार एआई बाजार की रफ्तार को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में भारत का एआई बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते एआई बाजारों में रेखांकित हो रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि दुनिया का 16 फीसदी एआई टैलेंट भारत के पास है और भारत अमरीका के बाद दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अभी 6 लाख से अधिक एआई प्रोफेशनल्स हैं। इनकी संख्या वर्ष 2027 तक तेजी से बढकर 12.5 लाख पर पहुंच जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग-कारोबार स्थानीय चुनौतियों को हल करने, नवाचार को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा लाभ बढ़ाने के लिए एआई तेजी से अपना रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बढ़ती हुई वैश्विक औद्योगिक और कारोबारी चुनौतियों के बीच एआई विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन गया है। ऐसे में भारतीय कंपनियां परंपरागत विकास की डगर को पार करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एआई का उपयोग लगातार बढ़ा रही हैं। यही कारण है कि इन दिनों एआई विषय पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि जहां भारत में तेज आर्थिक विकास में एआई की भूमिका प्रभावी हो गई है, वहीं भारतीय एआई पेशेवरों की जरूरत देश और दुनिया में तेजी से बढ़ रही है।

हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनमिक ग्रोथ नई दिल्ली में कहा कि एआई को अपनाने वाले उद्योग भारत को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इसी तरह केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी 'भारत की एआई क्रांति : विकसित भारत के लिए एक रोडमैप' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2047 तक भारत को 23.25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने के लक्ष्य के मद्देनजर एआई पेशेवरों की अहम भूमिका होगी। गौरतलब है कि गूगल की एआई अवसर एजेंडा नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रतिभा और जीवंत स्टार्टअप ईकोसिस्टम के चलते भारत एआई से लाभान्वित होने की बेहतर स्थिति में है। भारत में एआई प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने से उत्पादकता में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। अब उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य, सर्विस सेक्टर तथा अन्य क्षेत्रों में एआई के अधिक उपयोग से भारत को 2030 तक 33.8 लाख करोड़ का आर्थिक लाभ हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई के प्रति एक व्यापक और जिम्मेदार दृष्टिकोण भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति को संभव बना सकता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में फरवरी 2025 में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन 2025 की सह अध्यक्षता करते हुए कहा है कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाईस्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत की नई पीढ़ी डिजिटल दौर के एआई कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्ट मैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस समय जहां भारत की प्रतिभा संपन्न एआई से सुसज्जित नई पीढ़ी भारत के विकास में बड़ा योगदान दे रही है, वहीं भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। भारत के प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल ग्लोब में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं।

भारत की एआई हाईस्किल्ड नई पीढ़ी सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) से विदेशी मुद्रा की बड़ी कमाई करने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभरकर दिखाई दे रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एआई हाईस्किल्ड मैनपावर के सरल और किफायती रूप से उपलब्ध होने के कारण भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के साथ सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। भारत की नई पीढ़ी के लिए देश ही नहीं, दुनिया में एआई से जुड़ी नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) सम्मेलन 2025 के तहत प्रकाशित रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई एआई नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इन परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड एआई नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनिया भर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा।

आधुनिक हिमाचल के विकास पुरुष वीरभद्र सिंह

प्रदेश व देश की राजनीति में राजा वीरभद्र सिहं का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उनकी लोकप्रियता के किस्से इतने हैं, जिनको सैकड़ों पन्नों में समेटना भी नामुमकिन है। रामपुर बुशहर रियासत में राज परिवार में जन्मे वीरभद्र सिंह ने अपनी लोकप्रियता के चलते पूरे प्रदेश को अपनी रियासत माना व प्रदेश के लाखों लोगों के दिलों में अपनी विशेष जगह बनाई। उनका जन्म 23 जून 1934 को तत्कालीन बुशहर रियासत के राजा पदम सिंह व राज माता शांति देवी की संतान के रूप में हुआ तथा बाल्यकाल बुशहर के राजमहल में शाही शान-ओ-शौकत में बीता। तत्पश्चात इनकी प्रारंभिक शिक्षा हिमाचल के प्रसिद्ध विद्यालय बी. सी. एस. से होने के पश्चात, उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कालेज से इतिहास विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण की। वीरभद्र सिंह एक होनहार छात्र थे तथा राजनीति में आने के लिए विशेष रुचि नहीं रखते थे, बल्कि वह इतिहास विषय के प्रवक्ता बनना चाहते थे। परंतु उनका जन्म ही शायद प्रदेश की राजनीति में नए आयाम स्थापित करने के लिए हुआ होगा, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। अपने अद्भुत पराक्रम व कर्त्तव्यनिष्ठा के दम पर वह प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे। जनता के प्रति अपनी संवेदना व निष्ठा के चलते उनको पूरे प्रदेश में राजा साहब के नाम से जाना जाने लगा। 'राजा नहीं फकीर है, हिमाचल की तकदीर है' का प्रसिद्ध नारा इस बात की पुष्टि करता है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री जवाहर लाल नेहरु जी के अनुरोध स्वरूप ही राजा साहब ने राजनीति में आने का फैसला लिया व वर्ष 1962 में सर्वप्रथम लोकसभा के लिए सांसद के रूप में चुने गए। तदोपरांत ही उनके राजनीतिक जीवन का सफर शुरू हुआ, जो रोके नहीं रुका। तब से लेकर मरते दम तक मानो राजनीति ने उनको या उन्होंने राजनीति को अपना महबूब मान लिया हो। राजनीति से इतनी मुहब्बत के चलते ही 87 वर्ष की आयु में भी प्रदेश की विधायक दल की सूची में रहते पंचतत्व में विलीन हुए। ऐसा अवसर लाखों लोगों में चंद लोगों को नसीब होता है, यह कहना उपयुक्त होगा। प्रदेश की राजनीति में चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, निश्चित तौर पर राजा साहब की छवि विशेष एवं सर्वश्रेष्ठ रही है। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर वर्ष 1983 से शुरू हुआ, जो क्रमशः छह बार प्रदेश का मुख्यमंत्री रहने के बाद चलकर वर्ष 2017 में खत्म हुआ, तथा राजनीतिक सफर 08 जुलाई 2021 में पंचतत्व में विलीन होने के पश्चात समाप्त हुआ। अपने 60 वर्षों के राजनीतिक जीवन में राजा साहब ने सही मायनों में प्रदेश की जनता के दिलों में राज किया। राजनीतिक जीवन में समय-समय पर तरह-तरह के उतार-चढ़ाव आते रहना राजनीति का एक अभिन्न अंग है। साथ ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का होना भी लाजिमी है। 60 वर्षों के एक लंबे राजनीतिक जीवन में राजा वीरभद्र ने जनता, राजनीतिक लोगों तथा प्रशासन व प्रशासनिक अधिकारी, सभी पर एक पकड़ बनाए रखी व अपनी अनूठी कार्यशैली, गरीब जनता के प्रति वचनबद्धता व कर्मचारियों के लिए स्नेह सदैव ही उनकी मुख्य विशेषताओं में से एक रही है।

आज भी अनेकों प्रशासनिक अधिकारी अपनी जुबानी उनके द्वारा किए गए अनेकों अद्भुत कार्यों की मिसाल देते नहीं थकते। अनेकों ऐसे किस्से हैं, जिनको सुन कर हर इनसान के दिल में उनके प्रति सौहार्द व प्रेम की झलक स्वतः ही उत्पन्न होती है व मन मस्तिष्क पर एक अनुपम छाप छोड़ देती है। प्रदेश में अगर विकास पुरुष के रूप में राजा वीरभद्र के दृष्टिकोण व नजरिये की बात की जाए तो उनका ध्यान मुख्य रूप से प्रदेश में बिजली, पानी, सडक, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर केन्द्रित रहा।

हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री होने के अलावा उनको केंद्र सरकार में भी विभिन्न मंत्रालयों के मंत्री के रूप में कार्य करने का गौरव प्राप्त हुआ। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने नौ बार विधानसभा के चुनाव सहित पांच बार लोकसभा के लिए सांसद के चुनाव जीते, जो अपने आप में किसी उपलब्धि से कम नहीं। राजा वीरभद्र का इस तरह से हर चुनाव को जीतना, चाहे वो विधानसभा का हो या लोकसभा का, उनकी लोकप्रियता का द्योतक है। प्रदेश से कई बार सांसद रहते हुए विभिन्न मंत्रालयों में देश के मंत्री के रूप में कार्य का निर्वहन करना उनकी प्रदेश ही नहीं, अपितु देश की राजनीति में कद व गौरव को व्यक्त करता है। राजनीतिक जीवन में सबसे ज्यादा इज्जत व प्यार अगर किस व्यक्ति ने अपने संपूर्ण जीवन में कमाया है, तो वो शख्स राजा वीरभद्र सिंह हैं। देश व विदेश में बुशहरी टोपी को अलग पहचान दिलाने में भी राजा साहब ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि यह टोपी भी एक समय में राजनीति की भेंट चढ़ गई। परंतु उन्होंने अपनी रियासत की पहचान को बनाने के उद्देश्य से टोपी को अपने जीवन की एक अभिन्न शैली से जोडकर संजोए रखा।

प्रो. श्री प्रकाश सिंह के गढ़वाल यूनिवर्सिटी के कुलपति बनने पर डीयू ने आयोजित किया विदाई अभिनंदन

-कुलपति का काम है देश और अपने विद्यार्थियों के हित की रक्षा करे-प्रो. योगेश सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. श्री प्रकाश सिंह को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय गढ़वाल (उत्तराखंड) का कुलपति नियुक्त किए जाने पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि प्रो. श्री प्रकाश सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी दिल्ली परिसर के निदेशक के पद पर थे। अभिनंदन समारोह में सभी वक्ताओं द्वारा डीयू में उनकी 30 वर्ष की सेवाओं को याद किया गया। डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि कुलपति का कार्य देश हित और अपने विद्यार्थियों के हित की रक्षा करना होता है। इस अवसर पर मंच संचालन डीयू कल्चर काउंसिल के अध्यक्ष एवं पीआरओ अनूप लाठर द्वारा किया गया।

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि भारत सरकार और राष्ट्रपति महोदया द्वारा प्रो. श्री प्रकाश सिंह को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय गढ़वाल (उत्तराखंड) का कुलपति नियुक्त करने का निर्णय बहुत ही अच्छा है। प्रो. श्री प्रकाश में सच को सच कहने की हिम्मत है और एक अच्छे प्रशासक के लिए ये चीजें बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप पद पर हैं तो आपको लोगों के काम आते रहना चाहिए; अपने हित की चिंता मत करें, देश और संस्थान के हित की चिंता करें। आपके हित भगवान अपने आप देख लेंगे।

प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने अपने सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेवारी भारत सरकार, राष्ट्रपति महोदया और शिक्षा मंत्रालय ने उन्हें सौंपी है, वे उसे पूरी लगन से निभाएंगे और उन पर विश्वास जताने वाले सभी लोगों का सिर गर्व से ऊंचा रखेंगे। प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने कहा कि डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह के नेतृत्व में काम करके उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है, यह अनुभव हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में उनके बहुत काम आएगा। इस अवसर पर डीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, डीन ऑफ कॉलेजज प्रो. बलराम पाणी, दक्षिण परिसर के संयुक्त निदेशक प्रो. संजीव सिंह, प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी, आर्ट्स फैकल्टी के डीन प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी और डीन अकादमिक प्रो. के. रत्नबली सहित अनेकों व्यक्तियों ने अपने अपने उद्गार प्रकट किए और प्रो. श्री प्रकाश सिंह के साथ बिताए अनुभवों को साझा किया।

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है बुराड़ी की जनता : आदेश भारद्वाज

-सुचारू रूप से साफ पानी की सप्लाई करने मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी में बूंद बूंद पीने के पानी को तरस रहें है बुराड़ी के लोग, यह कहना है करावल नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आदेश भारद्वाज का। उनका कहना है कि पूरी बुराड़ी विधानसभा में पिछले लगभग दो महीने से जल आपूर्ति ना के बराबर हो रही है जिसके चलते क्षेत्रीय निवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस सब की जानकारी मुझे कुछ अलग अलग कालोनियों के निवासियों ने व्यक्तिगत रूप से मिलकर व फोन द्वारा दी गई। आदेश भारद्वाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री कार्यालय पत्र लिखकर क्षेत्र में सुचारू रूप से साफ पानी की सप्लाई करने मांग की है। आदेश भारद्वाज ने बताया कि उनको पिछले लगभग महीने भर से मुकुंदपुर, कंडक्टर कालोनी, बाबा कालोनी, सुनील कालोनी, तोमर कालोनी, अजीत विहार, प्रधान एनक्लेव, अमृत विहार, संतनगर व झडौदा जैसे इलाको से कुछ लोगो के पानी ना आने के, टैंकर सप्लाई न होने और कई जगह पानी तो आया लेकिन पाइप लाइनों से गन्दा पानी सप्लाई होने के फोन आ रहे थे, जबकि कई लोगो ने व्यक्तिगत रूप से भी इस समस्या से अवगत कराया। मुझे लोगो ने बताया कि उनको मजबूरीवश प्राइवेट पानी सप्लायरों से बोतल जार का पानी खरीदकर प्रयोग करना पड़ रहा है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में पानी की किल्लत और गंदे पानी की आपूर्ति ने दिल्लीवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। सरकार के दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा पर्याप्त पानी की आपूर्ति न होने और जो पानी आता है, वह बदबूदार, कीचड़युक्त और दूषित होने से लोग परेशान हैं। कई इलाकों में नल सूखे पड़े हैं, और टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है, जो नाकाफी साबित हो रहे हैं। दूषित पानी के कारण पेट की बीमारियां, त्वचा रोग और डेंगू जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिससे अस्पतालों में मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।सरकार ने हर घर स्वच्छ पानी का वादा किया था, लेकिन हकीकत में पाइपलाइनों का रखरखाव नाकाफी होने के चलते, और 52त पानी चोरी या लीकेज में बर्बाद हो जाने के चलते दिल्लीवासियों का सवाल है कि जब पानी की मांग 1250 एमजीडी प्रतिदिन है और आपूर्ति केवल 990 एमजीडी, तो सरकार ठोस कदम क्यों नहीं उठाती? हाल के दिनों में सोनिया विहार और वजीराबाद जैसे जल शोधन संयंत्रों की मरम्मत के नाम पर आपूर्ति और बाधित रही। जनता पूछती है, आखिर कब तक झूठे वादों का बोझ ढोना पड़ेगा? सरकार चुने हुए 4 महीने बीत गए लेकिन सरकार हर मामले पर चुप्पी लगाए बैठी है। सरकार को अब जवाब देना होगा।

क्लासरूम घोटाले में नपेंगे आप सरकार के कई बड़े चेहरे : विनोद जायस

-घोटालों के अलावा कुछ किया ही नहीं आप सरकार ने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बहुचर्चित क्लास रूम घोटाले की परते खुलने लगी है वह दिन दूर नहीं जब इस घोटाले में आम आदमी पार्टी सरकार में शामिल रहे कई बड़े चेहरे नप्ते दिखेंगें। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिले के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते है आम आदमी पार्टी सरकार के समय की कोई भी फाईल उठाकर देख लें उसी में घोटाले निकलकर सामने आएगें क्योंकि आप पार्टी की सरकार नें घोटालों के अलावा और कुछ किया ही नहीं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में पूर्व आप सरकार के कार्यकाल में हुए क्लासरूम निर्माण घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की है। बुधवार को ईडी की टीम ने 37 ठिकानों पर छापेमारी की है। बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय ने क्लासरूम निर्माण घोटाला मामले में तीन दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की है। प्रवर्तन निदेशालय ने घोटाले की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कई ठिकानों पर छापा मारा है। यह घोटाला कथित तौर पर पिछली आप सरकार के दौरान हुआ था। ईडी ने दिल्ली भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एफआईआर पर संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी की है। ईडी ठेकेदारों और निजी संस्थाओं के कम से कम तीन दर्जन ठिकानों पर रेड मारी है। विनोद जायस कहते हैं ईडी ने 30 अप्रैल को दर्ज एफआईआर में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12 हजार से अधिक कक्षाओं या अर्ध-स्थायी संरचनाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं की गई थीं। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया ने सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करने की योजना के अंतर्गत 193 स्कूलों में 2400 से अधिक कक्षाओं का निर्माण कराया था। निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को सौंपी गई थी। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने 17 फरवरी 2020 की एक रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से दिल्ली सरकार के स्कूलों में 2, 400 से अधिक कक्षाओं के निर्माण में घोर अनियमितताओं को उजागर किया। सतर्कता आयोग ने भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद जांच में पाया कि दिल्ली सरकार ने

बिना निविदा के ही प्रोजेक्ट को 500 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी मंजूर कर दी थी। यही नहीं बेहतर सुविधाओं के नाम पर कंस्ट्रक्शन कॉस्ट 90त तक बढ़ाई गई। हालांकि काम घटिया दर्जे का हुआ। जीएफआर, सीपीडब्ल्यूडी वर्क्स मैनुअल का जमकर उल्लंघन किया गया। विनोद जायस कहते है आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार की परते अब खुलने लगी है और वह दिन दूर नहीं जब इस पार्टी के कई और बड़े नेता जेल के भीतर होंगे।

योग, हमारी सांस्कृतिक पहचान और अच्छे स्वास्थ्य की मूलधारा है : राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से एक दिन पूर्व सिविक सेंटर, सेंट्रल प्लाजा में योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योगाभ्यास से आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में योग के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि योग, हमारी सांस्कृतिक पहचान और अच्छे स्वास्थ्य की मूलधारा है। कुछ मिनट के योग अभ्यास करने से भारत को रोग मुक्त बनाया जा सकता है। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज वैश्विक मंच पर भारत की जीवनशैली का प्रतीक बना है।

सिंह ने 21 जून को सभी दिल्लीवासियों से योग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आइए एक साथ मिलकर एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का जश्न मनाएं। उन्होंने दिल्लीवासियों से कहा कि योग को अपनाएं, स्वस्थ दिल्ली बनाएं।

इस अवसर पर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा, नेता सदन प्रवेश वाही और निगामायुक्त अश्विनी कुमार सहित निगम अधिकारी उपस्थिति रहें। उल्लेखनीय है कि 11 दिसंबर 2014 को यूएनजीए ने एक प्रस्ताव पारित कर दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। 21 जून इसलिए चुना गया क्योंकि ये उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है और इसे आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। पहली बार ये दिन 21 जून 2015 को मनाया गया था।

दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मुखर्जी नगर वार्ड में डेंगू एवं मलेरिया जागरूकता अभियान का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शुक्रवार को नागरिकों को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूक करने के लिए डेंगू एवं मलेरिया जागरूकता अभियान की शुरुआत मुखर्जी नगर वार्ड में किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए सावधानीपूर्वक उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर एंटी डेंगू व मलेरिया ऑपरेशन चलाया जा रहा है। महापौर ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसामान्य को इन रोगों की रोकथाम के उपायों की जानकारी देना और स्वच्छ, मच्छर मुक्त वातावरण बनाए रखने के महत्व को उजागर करना है। उन्होंने आरडब्ल्यूए सदस्यों से अपील की कि वे मच्छर नियंत्रण के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करें। इस अवसर पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एल.आर. वर्मा, जोनल उपायुक्त अंशुल सिरोही, मुखर्जी नगर के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने योग स्थलों का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को एनडीएमसी क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित स्थलों पर भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस आयोजन की पूर्व संध्या पर एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार को इन आयोजनों के लिए चिन्हित विभिन्न स्थलों का दौरा कर जमीनी तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लॉजिस्टिक व्यवस्था, स्थल की तैयारी, साइनबोर्ड्स, प्रतिभागियों की योजना और योग सहयोगी संस्थाओं के साथ समन्वय की स्थिति का जायज़ा लिया। चहल ने बताया कि यह पहल विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण की दिशा में एनडीएमसी की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसमें स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मूलभूत माना गया है। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी क्षेत्र के आठ प्रमुख स्थलों पर मुख्य योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें कर्तव्य पथ (साउथ लॉन), लोदी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, शांतिपथ लॉन, सेंट्रल पार्क (कनॉट प्लेस), पंडारा पार्क, न्यू मोती बाग (आईएएस रेजिडेंस) और संजय झील (लक्ष्मीबाई नगर) शामिल हैं। चहल ने आगे जानकारी दी कि विभिन्न स्थानों पर नागरिकों के साथ योग अभ्यास में भाग लेने के लिए प्रमुख हस्तियों और अति-विशिष्ट व्यक्तियों (वीवीआईपी) की उपस्थिति भी अपेक्षित होगी। उन्होंने कहा कि हर स्थल की सुरक्षा और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है और इसके लिए प्रत्येक स्थल का गहन निरीक्षण आवश्यक है। उन्होंने जानकारी दी कि यह आयोजन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आर्ट ऑफ लिविंग, पतंजलि योग समिति, गायत्री परिवार सहित अन्य प्रतिष्ठित योग संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक स्थल पर 300 से 2000 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है, जो समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। चहल ने नागरिकों से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने और योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से स्वस्थ समाज ही विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सक्षम होगा।

जिला अध्यक्ष राज कुमार जैन का आभार जताया रोहताश नगर का बी.एल.ए. वन बनाने पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राज कुमार जैन तथा रोहताश नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रही सुरेशवती चौहान के अनुमोदन पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रामनिवास पांचाल को रोहताश नगर विधानसभा से कांग्रेस का बी.एल.ए.वन नियुक्त किया है। इससे पूर्व इस पद पर भारत कौशिक थे। गत दिनों रामनिवास पांचाल जिला कांग्रेस अध्यक्ष राज कुमार जैन का आभार व्यक्त करने जिला कांग्रेस के कार्यालय पहुंचे और राजकुमार जैन का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राम नगर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप भाटी , घौंडा विधानसभा के तहत ब्लाक प्रभारी अधिवक्ता राज कुमार शर्मा, अशोक नगर ब्लॉक अध्यक्ष प्रताप शर्मा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अशोक शर्मा, मंडलम अध्यक्ष तेजपाल सिंह, प्रेम नारायण वर्मा, सत्यवीर शर्मा, सुरेश शर्मा, सुनील पांचाल, प्रदीप शर्मा, कुसुम शर्मा, मंजू शर्मा, नत्थू सिंह, मंडलम अध्यक्ष राजबीर सिंह, राज कुमार शर्मा, संतोष कुमार, महेश कटारिया, विनोद गुप्ता ब्रज भूषण शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राज कुमार जैन नें कहा रामनिवास पांचाल पुराने कार्यकर्ता है इनको नियुक्ति से पार्टी को इनके अनुभव का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर रामनिवास पांचाल ने कहा पार्टी नें उनपर जो भरोसा जताया है वे उसपर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

देश ने पिछले 11 वर्षों में मजबूत और सशक्त राष्ट्र का स्वरूप लिया : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 20 जून (वेब वार्ता)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शुक्रवार को भाजपा-नीत राजग सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को समर्पित प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रदर्शनी का आयोजन भारतीय जनता पार्टी की नई दिल्ली जिला इकाई ने किया है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने एक नए आत्मविश्वास, नए दृष्टिकोण और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हुए एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र का स्वरूप लिया है। मोदी सरकार में गरीबों को छत मिली, महिलाओं को सम्मान, किसानों को मजबूती और युवाओं को नए अवसर प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल मोदी सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और बदलाव की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार ने भी 100 दिन पूरे कर लिए हैं और हम दिल्ली की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए तेज गति से काम कर रहे हैं।

लीड्स में ऋषभ पंत का पंच, धोनी का रिकॉर्ड किया ध्वस्त इंग्लैंड में रचा इतिहास

लंदन (एजेंसी)। लीड्स - इंग्लैंड के लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। पहले दिन यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने बेहतरीन शतक लगाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं, दूसरे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ऐतिहासिक शतक जड़ा।

पंत ने दूसरे दिन के पहले ही सत्र में 146 गेंदों पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। यह तीसरी बार है जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा किया है। दिलचस्प बात यह है कि तीनों बार उन्होंने इंग्लैंड के ही स्पिन गेंदबाजों–आदिल राशिद, जो रूट और शोएब बशीर की गेंद पर यह कारनामा किया है। यह पंत का टेस्ट करियर का सातवां शतक है।

तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

इस शतक के साथ ऋषभ पंत ने महेंद्र सिंह धोनी का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए हैं। धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैचों में 6 शतक लगाए थे, जबकि पंत ने सिर्फ 44 टेस्ट मैचों में ही 7 शतक पूरे कर लिए हैं।

यह पंत का इंग्लैंड की सरज़मीं पर तीसरा टेस्ट शतक है और स्थ्रह देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में कुल मिलाकर उनका पांचवां शतक है। इससे साफ जाहिर होता है कि विदेशी पिचों पर उनका बल्ला खूब बोलता है।

जायसवाल और गिल की शानदार पारी से मिल रहे अच्छे संकेत

–पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने की भारतीय बल्लेबाजों की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रि ट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारतीय बल्लेबाजों की सराहना की, खासकर कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जिन्होंने शतक लगाकर इंग्लैंड के हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन के अंत में भारत को 359/3 तक पहुंचाया। जायसवाल और गिल ने शानदार शतक लगाकर विराट कोहली-रोहित शर्मा के बाद के युग में बल्लेबाजी को संभालने की तैयारी का ऐलान कर दिया है। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंच गया।

गांगुली ने शुक्रवार रात ट्वीट करते हुए लिखा- आज भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा था? सीरीज के पहले दिन शुभमन गिल की टेस्ट मैच बल्लेबाजी में विदेशी परिस्थितियों में बहुत सुधार हुआ है। फिर से शानदार एक गुणवत्ता वाली टीम दिखी। एक लंबी सीरीज का इंतजार है। जायसवाल ने 144 गेंदों में अपने करियर का पांचवां शतक पूरा किया, जबकि गिल ने 140 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, लेकिन दोनों ने यह मुकाम अलग-अलग तरीके से हासिल किया। जायसवाल ने अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ दिया, क्योंकि पहले सत्र में अंग्रेजी गेंदबाजों को मूवमेंट और कैरी का फायदा मिला। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंचा दिया, जब केएल राहुल और डेब्यूटेंट साई सुदर्शन जल्दी आउट हो गए थे।

ऋषभ पंत खेल समाप्ति तक गिल के साथ क्रीज पर जमे थे, लेकिन जायसवाल और गिल के शतकों का महत्व सिर्फ पहले दिन की बढ़त देने तक सीमित नहीं था। यह भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप अनुभव में थोड़ी कमजोर है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया है। जायसवाल और गिल टेस्ट क्रिकेट में नए नहीं हैं, लेकिन अगर जायसवाल और गिल की आज की पारी को देखा जाए तो संकेत काफी उज्ज्वल नजर आ रहे हैं।

बल्लेबाजी करने में आया मजा, अच्छी तैयारी की थी जड़ा शतक

यशस्वी ने कहा- पहला दिन बढ़िया रहा, गिल संयमित और शांत होकर खेले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (101 रन) ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शतक जड़ने के बाद कहा कि उन्होंने इस पारी का पूरा लुत्फ उठाया। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127 रन) और जायसवाल के शानदार शतकों की मदद से भारत ने पहले दिन तीन विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। उप कप्तान ऋषभ पंत 65 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

जायसवाल ने कहा कि पहला दिन बहुत बढ़िया रहा। सभी ने बहुत अच्छा खेला। इंग्लैंड की परिस्थितियों में क्रीज पर जाकर बल्लेबाजी करने में आनंद आया। मैंने बहुत अच्छी तरह से तैयारी की थी। हाल के दिनों में बहुत अच्छे अभ्यास सत्र थे हमनें कई मैच खेले। इसलिए यह पारी सरल तरीके से खेली। उन्होंने कहा कि गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। वह संयमित और शांत रहे। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। गिल ने 56 गेंद में अपना आठवां अर्धशतक लगाया। यह भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में गिल का पहला अर्धशतक है। भारत ने दूसरे सत्र में एक भी विकेट नहीं गंवाया। लंच से पहले केएल राहुल (42 रन) और इस मैच से डेब्यू करने वाले बी साई सुदर्शन के विकेट गिरे। सुदर्शन खाता भी नहीं खोल सके। जायसवाल ने संयमित होकर बल्लेबाजी की, विशेषकर ऑफ स्टंप के बाहर जबकि वह सामान्यतः गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। हाल में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलते बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जो गलतियां की थीं, उन्हें इस पारी में नहीं दोहराया।

पहले गेंदबाजी चुनने को लेकर इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स पर भड़के वॉन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन स्टोक्स ने हेडिंग्ले में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल वॉन बेन स्टोक्स के भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में पहले गेंदबाजी करने के फैसले से 'हैरान' थे। वॉन का मानना था कि सूखी पिच और धूप में पहले बल्लेबाजी करना 'आसान' था, लेकिन स्टोक्स ने आंकड़ों और इतिहास को ज्यादा महत्व दिया और गेंदबाजी का फैसला किया।

वॉन ने कहा कि मैं थोड़ा पुरानी सोच का हूं, खासकर लीड्स में जब धूप होती है, तो यह एक आसान फैसला होता है, खासकर टेस्ट मैच की तैयारी और पिच की स्थिति को देखते हुए। मैं हैरान थाज्जब मैंने सुना कि वह पहले गेंदबाजी करने जा रहे हैं। मैंने सोचा कि ट्रेंड को खत्म कर दिया गया है। इंग्लैंड ने हाल के समय में यहां लक्ष्य का पीछा करते हुए कई बार जीत हासिल की है, लेकिन आपको हमेशा उस समय के हिसाब से फैसला लेना होता है।

वॉन ने कहा कि स्टोक्स की भावना इस बार काम नहीं आई। आप इंग्लैंड की टीम की ताकत देखें, तो वह वास्तव में बल्लेबाजी में है। बेन के पास एक आंतरिक भावना थी, मुझे लगता है और हाल के समय में यह काम किया है। बता दें इंग्लैंड के पास स्टोक्स के दो विकेट और ब्राइडन कार्स ने एक विकेट लिया। ये तीनों भारतीय बल्लेबाजों की गलतियों के कारण मिले। टॉस के समय स्टोक्स ने कहा कि वह शुरुआती परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहते थे, जबकि टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा कि वह पहले गेंदबाजी करना पसंद करते हैं, लेकिन पिच जल्दी ही स्थिर हो गई और बल्लेबाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया। गिल 127 (175) पर नाबाद, जबकि ऋषभ पंत (65 रन, 102 गेंद) के साथ नाबाद क्रीज पर हैं।

विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनेंगे जेनसन : पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में जेनसन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिलता है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को धवस्त कर दिया था। रबाडा के कारण हालाकि लोगों का ध्यान जेनसन की गेंदबाजी की ओर नहीं गया पर ये भी ध्यान रखना चाहिये कि उनकी गेंदबाजी से जो दबाव बना था उससे ही रबाडा को विकट लेने में आसानी हुई। बाएं हाथ के जेनसन ने मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे स्टार बल्लेबाजों को आउट किया था। फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के बाद भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी के लिए वापस आये उससे भी उनके अंदर का जुनून दिखता है। वह अनुभवी बल्लेबाजों के खिलाफ भी निडर होकर गेंदबाज करते करते दिखे। दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में उनकी भूमिका को कम आंकना भूल होगी।

सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे टेनिस खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम से खेलने को प्राथमिकता दें : साई

SPORTS AUTHORITY OF INDIA

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार से वित्तीय मदद लेने वाले टेनिस खिलाड़ियों को अब राष्ट्रीय टीम से खेलने से इंकार करना महंगा पड़ सकता है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने का है कि कई योजनाओं के जरिए वित्तीय सहायता हासिल करने वाले टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम से खेलने को प्राथमिकत देनी होगी। वहीं अगर वे बिना किसी कारण के खेलने से इंकार करते हैं तो उनपर कार्रवाई होगी और उनसे धनराशि बसूली जाएगी। साई ने टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) के तहत मदद के लिए चयनित किये गए खिलाड़ियों को लिखित में देने को कहा है कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से बेतर प्रदर्शन के प्रयास करना भी उनकी जिम्मेदारी है।

ये मामला तब सामने आया जब टीएजीजी में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों के नामों पर चर्चा की गई। साई ने अपने आदेश में टॉप्स, एनएसएफ और टीएजीजी योजनाओं के अंतर्गत मदद हासिल करने वाले खिलाड़ियों से कहा कि वे डेविस कप, बिली जीन किंग कप, एशियाई खेल और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहें।

साइ के आदेश के अनुसार वित्तीय सहायत हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को अगर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ द्वारा चुना जाता है तो वे देश की ओर से खेलने को पहली प्राथमिकता दें। साथ ही कहा कि अगर वे बिना किसी वैध कारण के इन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हैं तो उनको दी गयी वित्तीय सहायता वापसी ली जा सकती है।

गौरतलब है कि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम की तरह ही एशियाई खेलों में भारत के पदकों को बढ़ाने के लिए टीएजीजी को इस साल शुरु किया गया है। वहीं पिछले कुछ समया में कई खिलाड़ियों ने सरकारी सहायत्ता लेने के बाद भी डेविस कप सहत कुछ अन्य मुकाबलों में भाग लेने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही साइ इस मामले को लेकर गंभीर हो गया है।

चोपड़ा ने वेबर को हराकर दो साल में पहला डायमंड लीग खिताब जीता

मुम्बई (एजेंसी)। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने यहां 90 मीटर की दूरी पार किए बिना ही जर्मनी के अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर को हराकर दो साल में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

शुक्रवार देर रात संपन्न प्रतियोगिता में 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 88.16 मीटर की दूरी तय करके खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में कई स्टार खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसने पांच ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो 90 मीटर की दूरी तय कर चुके हैं। चोपड़ा का दूसरा थ्रो 85.10 मीटर का था और इसके बाद उन्होंने अपने अगले तीन प्रयासों में फाउल किया। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 82.89 मीटर का थ्रो किया। वेबर 87.88 मीटर के अपने शुरुआती प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुईज़ मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर के अपने तीसरे प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। लगातार दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने बाद में प्रसारणकर्ता से कहा, ''मैं अपने थ्रो से खुश हूं। आज मेरा रन अप बहुत तेज था। मैं अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख सकता, लेकिन मैं परिणाम और पहले स्थान पर रहकर खुश हूं।'' चोपड़ा ने डायमंड लीग में अपना आखिरी खिताब जून 2023 में लुसाने में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ जीता था। उसके बाद वह डायमंड लीग कोछह प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहे थे। हरियाणा के इस स्टार खिलाड़ी ने डायमंड लीग के पेरिस चरण में पहली बार जीत हासिल की। उन्होंने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

डॉक्टर फ्लैट पर चला रहा था सेक्स रैकेट

उज्बेकिस्तान की दो महिलाएं आपत्तिजनक हालत में पकड़ी गईं, लुकआउट नोटिस जारी है

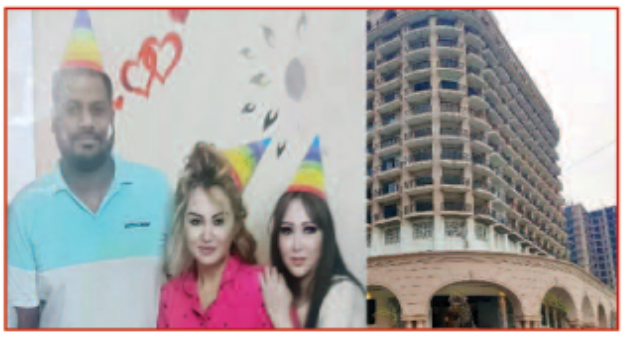

लखनऊ। डॉक्टर के फ्लैट से 2 विदेशी महिलाएं पकड़ी गईं। इनमें से एक के खिलाफ उज्बेकिस्तान से लुकआउट नोटिस भी जारी है। ये बिना वीजा और पासपोर्ट के भारत में रह रही थीं।

महिलाओं की पहचान बदलने के लिए डॉक्टर ने उनकी प्लास्टिक सर्जरी की थी। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने गुरुवार देर रात ओमेक्स न्यू हजरतगंज की पांचवीं मंजिल के फ्लैट नंबर-527 में छापा मारा। यहां दो विदेशी महिलाएं रह रही थीं। उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था। महिलाओं ने पूछताछ में बताया कि वे उज्बेकिस्तान से हैं। उन्हें डॉ. विवेक गुप्ता ने फ्लैट में जगह दी थी। पुलिस ने इस मामले में डॉक्टर विवेक समेत दर्जन भर लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद से डॉक्टर विवेक गुप्ता गायब हैं। उनके क्लिनिक के कर्मचारियों का कहना है कि शहर से बाहर हैं, सोमवार को लौटेंगे। पुलिस का कहना है कि सेक्स रैकेट की जानकारी नहीं है। जांच चल रही है, इसके बाद ही कुछ साफ होगा।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि लोला कायूमोवा नाम की उज्बेकिस्तान की महिला इन लोगों महिलाओं को भारत लेकर आई थी। उसने अर्जुन राणा से महिलाओं को मिलवाया था। अर्जुन के माध्यम से पत्रकारपुरम निवासी डॉक्टर विवेक के संपर्क में आईं। इसके बाद डॉक्टर विवेक ने दोनों की प्लास्टिक सर्जरी करके पहचान बदली। इसके बाद दोनों डॉक्टर के फ्लैट में रहकर एक स्पा सेंटर में नौकरी करने लगीं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि डॉक्टर ने अब तक प्लास्टिक सर्जरी करके कितने लोगों का चेहरा बदला है। विदेशी दस्तावेज न होने के चलते भारी रकम भी ली थी। डॉक्टर ने महिलाओं के चेहरे में मामूली बदलाव करता था, जिससे वो विदेशी न लगें। इसी वजह से वे आसानी से यहां रह रही थीं। महिलाओं की गैंग लीडर उज्बेकिस्तान की लोयोला है। यहां उसने अर्जुन से शादी कर ली है। लखनऊ में चोरी-छिपे रह रही है। दोनों महिलाओं ने पुलिस को बताया कि दो साल पहले भारत आने के बाद उनके पासपोर्ट और वीजा कहीं खो गए थे। पुलिस में शिकायत भी की थी। उस समय भी लोला कायूमोवा और त्रिजिन राज उर्फ अर्जुन राणा ने उनकी मदद की थी। लोला कायूमोवा भारत में कई सालों से अवैध रूप से रह रही है। उसी के सहयोग से हम दोनों और हमारे अन्य साथी भारत आए। पुलिस यह पता लगा रही है कि लोला की मदद से कितने लोग अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। सुशांत गोल्फ सिटी के ही एक स्पा सेंटर में मार्च 2025 में छह थाई महिलाएं पकड़ी गई थीं। उनके पास वर्क वीजा नहीं था। पुलिस को सूचना मिली थी कि स्काई लाइन प्लाजा स्थित ब्लू बेरी थाई स्पा प्राइवेट लिमिटेड में कुछ संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं। पुलिस ने छापेमारी की तो स्पा में छह थाई महिलाएं मिलीं। जांच में पता चला कि इन महिलाओं के पास सेल-परचेज ट्रेड एक्टिविटी का वीजा था, लेकिन एम्प्लॉयमेंट या वर्क वीजा नहीं था। महिलाएं स्पा सेंटर में ही रह रही थीं, लेकिन उनके पास न तो रेंट एग्रीमेंट था और न ही फॉर्म-सी से संबंधित कोई दस्तावेज। स्पा में मौजूद मैनेजर नुचनार्ट टुंगक्राथोक ने बताया कि कंपनी की मुख्य डायरेक्टर सिमरन सिंह वाराणसी में रहती हैं। वह कभी-कभी लखनऊ आती हैं। एसीपी मोहनलालगंज ने बताया कि जांच में पाया गया कि स्पा के डायरेक्टर ने बिना किसी लिखित सूचना के विदेशी महिलाओं को न केवल ठहराया, बल्कि बिना एम्प्लॉयमेंट वीजा के उनसे काम भी करवाया। पुलिस ने स्पा प्रबंधन से विदेशी नागरिकों के बारे में पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले में पुलिस ने स्पा सेंटर के मैनेजर पर मुकदमा दर्ज किया था।

रंग पाठशाला के समापन अवसर पर हुआ रामलीला मंचन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध मार्ग कुशीनगर स्थित लिन्ह - सन बुद्धिस्ट इंटरमीडिएट कॉलेज परिसर में संस्कृति विभाग के भारतेंदु नाट्य अकादमी व वाइटल केयर फाउंडेशन कुशीनगर द्वारा आयोजित सात दिवसीय रंग पाठशाला का समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि रंग पाठशाला कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कारी बनाना है। रंगशाला के दौरान प्रशिक्षक शिवम प्रताप सिंह ने बच्चों को रंगशाला में परशुराम लक्ष्मण संवाद, राम वन गमन, केवट संवाद, भरत मिलाप, शबरी के झूठे बेर, ताड़का वध, सीता हरण और रावण बध आदि का रामलीला मंचन सिखाया था। जिसकी प्रस्तुति बच्चों ने अन्तिम दिन किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि रामलीला से हमें राम के आदर्शों को जानने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम की शुरूआत नटराज देव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन से हुआ। संचालन हिमांशु शर्मा ने किया। इस दौरान अनिल कुमार मल्ल, आशीष शर्मा, अमन यादव, सत्यम कुमार, कृष्णा सिंह, अंकित द्विवेदी, रुपेश कुमार, आदित्य शर्मा, दुर्गेश शर्मा, आदित्य शर्मा, आलोक शर्मा मौजूद रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही ने स्वच्छता को लेकर मातहतों को निर्देश दिए

संवाददाता

कुशीनगर। नगर पंचायत फाजिलनगर के सभागार में नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ नपं अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही ने बैठक की और नगर की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। बैठक में बरसात से पहले जलनिकासी के लिए नालियों की सफाई पर जोर दिया गया।इससे संबंधित जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही लापरवाही की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दिया गया। अध्यक्ष श्री शाही ने कहा कि स्वच्छता सरकार की प्राथमिकता है। बरसात में जलभराव व गंदगी से संक्रामक बीमारी फैलती है।

जिसका असर स्वास्थ्य पर पड़ता है।

इसकी रोकथाम के लिए उपनगर को साफ सुथरा रखना होगा। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। ईओ अमित कुमार सिंह ने कहा कि नपं क्षेत्र में अभियान चलाकर जलनिकासी व स्वच्छता की जांच होगी। इसके लिए क्षेत्रवार सफाई नायक बनाए गए हैं। जिस क्षेत्र से अधिक शिकायत मिलेगी वहां के सफाई नायक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। इस दौरान कमलेश वर्मा, जेपी सिंह, रामसेवक सिंह, विवेक कुमार सिंह उर्फ गोलू, अब्बास सिद्दीकी, रमेश पासवान, वरिष्ठ लिपिक शुभम मिश्रा, राकेश राय, रंजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

अहिरौली बाजार शिव मंदिर पर योग शिविर का आयोजन

संवाददाता

कुशीनगर। विश्व योग दिवस के अवसर पर नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा शनिवार को हाटा विकास खण्ड के अहिराली बाजार चौराहे पर स्थित शिव मंदिर परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग गुरु सत्येंद्र मिश्र ने योग साधकों को अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, बज्रासन, मण्डूकासन, नौकासन आदि का अभ्यास कराया और निरोगी शरीर हेतु नियमित रूप से योग को जीवन में शामिल करने को कहा। इस अवसर पर नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, उपेंद्र मिश्र, संकट मोचन सेवा समिति अध्यक्ष अमर गुप्ता, देवानंद गौड़, अतुल मिश्र, पिंटू गुप्ता, महातम शर्मा, रमाकांत जायसवाल, विशाल गुप्ता, रामजी गुप्ता, श्रवण गुप्ता, अशोल पटेल, राजेश जायसवाल, चंचल गुप्ता, दुर्गेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में योग गुरु सत्येंद्र मिश्र के जन्मदिन पर मंदिर परिसर में पौधरोपण किया गया।

स्वस्थ तन व मन के लिए करें योगः विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा

संवाददाता

कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फाजिलनगर विकास खंड के विभिन्न क्षेत्रों और शिक्षण संस्थानों में शनिवार सुबह योग अभ्यास और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। क्षेत्र के पचरुखिया में विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में लोगों ने योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास स्वस्थ तन व मन के लिए बेहद जरूरी है। इसे अपनाकर हम कई रोगों से मुक्ति पा सकते हैं।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष शेषनाथ मिश्र,विनोद पांडेय, शिवनारायण शर्मा, ग्राम प्रधान सुरेश कुशवाहा, सुचिता शर्मा आदि मौजूद रहे। नगर पंचायत कर्मियों ने नगर पंचायत के नौका बिहार पर नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही के नेतृत्व में, भाजपा कार्यकताओं ने वरिष्ठ भाजपा नेता रामबृक्ष गिरी के नेतृत्व में, भठहीं खुर्द स्थित एसटीएनटी नर्सिंग इंस्टीट्यूट में प्राचार्य कलीम अली के नेतृत्व में योगाभ्यास किया। पीएनएम इंटर कॉलेज में योग दिवस कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स, स्काउट्स, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी मिलाकर लगभग सवा दो सौ लोग शामिल हुए।

प्रधानाचार्य डॉ. अक्षयवर पांडेय ने कहा कि योग व्यक्ति के परम लक्ष्य की प्राप्ति का प्रमाणिक साधन है। यह केवल शारीरिक क्रिया ही नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन और अध्यात्म से गहराई से जुड़ा हुआ जीवन पद्धति है। उन्होंने योग की महत्ता और इसके दैनिक जीवन में उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। नारायनपुरकोठी स्थित जितेंद्र स्मारक इंटर कॉलेज में भी योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रधानाचार्य डॉ. अजयनाथ त्रिपाठी ने योग के महत्व पर बोलते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक उन्नति का भी मार्ग प्रशस्त करता है।उन्होंने विद्यार्थियों को इसे नियमित जीवनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी। इस अवसर पर शिक्षकों में विनोद कुमार शर्मा, राजेन्द्र कुशवाहा, दुर्गेश यादव, प्रवीण कुमार, श्रवण कुशवाहा, पंकज, प्रवीण कुशवाहा , विपुल यादव समेत अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इण्टरमीडिएट कालेज जौरा बाजार में प्रधानाचार्य रामू चौधरी के नेतृत्व में शिक्षकों विपीन बिहारी, अंशुमान चतुर्वेदी, इरशाद अंसारी, दयानंद तथा पौहारी सिंह आदि ने योगाभ्यास किया।

बॉलीवुड में कोई शहंशाह नहीं, बॉक्स ऑफिस के नंबर ईगो संतुष्ट करने के लिए बढ़ाए जाते हैं

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने बॉलीवुड के कुछ सितारों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है, ताकि एक्टर्स के अहंकार को सही ठहराया जा सके। इतना ही नहीं, कुछ प्रोडक्शन हाउस अपनी ही फिल्मों के बड़ी संख्या में टिकट खुद ही खरीद लेते हैं, ताकि लोगों को लगे कि उनकी फिल्में हिट हो गई हैं। इंटरव्यू में विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'एक समय था जब फिल्म इंडस्ट्री राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती थी। जब कहीं भूकंप या बाढ़ आती थी, तो ये लोग पैसे इकट्ठा करते थे। ट्रकों पर चढ़कर लोगों की मदद के लिए जाते थे। सुनील दत असली कांग्रेसी थे, जिन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पदयात्रा की थी। लेकिन आजकल के फिल्मी सितारे अपने घरों की बालकनी से हजारों लोगों को हाथ हिलाकर खुश हो जाते हैं। मुझे ये ठीक नहीं लगता। वे अपने हाथ गंदे नहीं करना चाहते। आप कोई शहंशाह नहीं हैं। किसी मुद्दे पर सिर्फ ट्वीट कर देना काफी नहीं है। विवेक के बयान के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टिप्पणी अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के लिए थी, जिन्हें 'शहंशाह' और 'बादशाह' कहा जाता है, तो अग्निहोत्री ने कहा कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था। विवेक अग्निहोत्री ने आगे कहा, 'एक समय था जब फिल्म इंडस्ट्री हर आंदोलन में सबसे आगे थी। अब वे चार्टर्ड प्लेन से ट्रैवल करते हैं। उन्होंने देश को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने बॉलीवुड को शैम्पू कंडीशनर इंडस्ट्री में बदल दिया है। इंडस्ट्री को ग्लैमर से जोड़ दिया है। क्या दीवार देश के बारे में नहीं थी? क्या सलीम खान और जावेद अख्तर द्वारा लिखी गई फिल्में देश के बारे में नहीं थीं? इन दिनों हीरो जिस एकमात्र व्यक्ति से लड़ रहा है, वह उसकी गर्लफ्रेंड का पिता है। उन्होंने इंडस्ट्री को बेवकूफ बना दिया है। जब विवेक से कॉर्पोरेट बुकिंग के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आज का दर्शक इतना समझदार है कि ऐसे हथकंडों से उसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। यह सब सिर्फ एक्टर्स के अहंकार को संतुष्ट करने के लिए किया जाता है।

फिल्म इंडस्ट्री में वेतन असमानता और उम्र पर चित्रांगदा सिंह ने की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े दो अहम मुद्दों पर अपनी बात खुलकर रखी, पहली वेतन असमानता और दूसरी 40 की उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए बदलते अवसर। अपना नजरिया साझा करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री ने काफी तरक्की की है, लेकिन बदलाव होने में समय लगता है।

एक्ट्रेस ने कहा कि पहले के मुकाबले अब महिला और पुरुष कलाकारों के वेतन में जो बड़ा अंतर था, वह थोड़ा कम हुआ है।

चित्रांगदा ने कहा, धीरे-धीरे काफी कुछ बदला है, लेकिन ऐसे बदलावों में वक्त लगता है। रानी मुखर्जी, विद्या बालन, कृति सेनन और तब्बू जैसी अभिनेत्रियों ने इसे बेहतर बनाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब कलाकारों की फीस उस हिसाब से तय हो रही है कि कौन सा अभिनेता या अभिनेत्री ज्यादा दर्शकों को थिएटर तक खींच पाता है। 40 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए रोल मिलने के मुद्दे पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि पहले इस उम्र की महिलाओं के लिए खास रोल नहीं लिखे जाते थे, इसलिए कुछ सीमाएं अभी भी हैं, पर हालात पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा, अब अनुभवी एक्ट्रेस के लिए भी अच्छे किरदार लिखे जा रहे हैं। उन्होंने करीना कपूर का उदाहरण देते हुए कहा, वह इस समय सबसे दिलचस्प और दमदार काम कर रही हैं। एक्ट्रेस के अनुसार, अब काम का तरीका बदल रहा है। अलग-अलग उम्र के एक्टर्स को उनके हिसाब से नए और अलग तरह के मौके दिए जा रहे हैं। उम्र को देखकर रोल कम करने की बजाय, हर उम्र के लिए सही और खास रोल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी के लिए काम कम हो रहा है। बस, अब अलग तरह के रोल लिखे जा रहे हैं। जैसे कि कोई 20 साल की लड़की को 40 साल वाली महिला का किरदार नहीं दे सकते और 40 साल की महिला को 20 साल वाली लड़की की भूमिका नहीं दे सकते। वर्कफ्रंट की बात करें तो चित्रांगदा सिंह हाल ही में तरुण मनसुखानी की कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आईं। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, जैकलीन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर और फरदीन खान जैसे कई मशहूर कलाकार भी हैं।

तमिल डेब्यू पर बोलीं मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था। मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था। लिटिल थिंग्स, कारवां और चॉपस्टिक्स के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था। बता दें कि तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी में मिथिला के अगॅस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ओहो एंथन बेबी में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा। मिथिला ने ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

सूबेदार में दिखेगा जोश और जूनून का असली रंग, पूर्व फौजी के किरदार में दिखेंगे अनिल कपूर

मेगास्टार अनिल कपूर सूबेदार में एक जबरदस्त, हाई-वॉल्टेज प्रदर्शन के लिए तैयार हैं — यह एक दमदार एक्शन-ड्रामा है, जिसका निर्देशन जलसा फेम सुरेश त्रिवेणी ने किया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ होने जा रही इस सीरीज़ को लेकर पहले से ही ज़बरदस्त उत्साह बना हुआ है। इसमें अनिल कपूर निभा रहे हैं अर्जुन सिंह की भूमिका — एक पूर्व फौजी, जो अब जंग के मैदान से परे एक अलग ही संघर्ष से जूझ रहा है। कहानी भारत के बीहड़ इलाकों में बसी है, और यह एक ऐसे इंसान की मानसिक स्थिति में गहराई से उतरती है जो युद्ध की यादों से पीड़ित है, अपनी बेटी (राधिका मदान द्वारा निभाया गया किरदार) से टूटे रिश्ते का बोझ उठाए हुए है, और एक बिखरते समाज से मोहभंग कर चुका है। जंग भले खत्म हो चुकी हो, लेकिन अर्जुन सिंह के लिए युद्ध अब भी जारी है — अब यह उसकी निजी लड़ाई बन चुकी है। जब से अक्टूबर 2024 में सूबेदार की शूटिंग शुरू हुई है, तब से ही इस प्रोजेक्ट को लेकर गहमागहमी तेज़ हो गई है। जब अनिल कपूर ने पहली बार सीरीज़ से अपने लुक की एक झलक दिखाई, तो इसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी - एक ऐसा लुक जो नेचुरल, थका हुआ, और अंदर ही अंदर उबलते गुस्से से भरा हुआ है। इस पोस्ट का कैप्शन था- अभी तो हाथ उठे ही कहाँ हैं, ये तो बस तैयारी है — जो उनके किरदार अर्जुन सिंह की तीव्रता की एक झलक भर थी। यह भूमिका शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है, जिसमें खामोशी, धमाकेदार एक्शन और अंतर्मन की घमासान का मिश्रण है। और अगर कोई इस तरह के बहुआयामी किरदार को परदे पर ला सकता है, तो वह अनिल कपूर हैं, जो हर प्रदर्शन के साथ अपनी कला को नया रूप देते रहते हैं। अनिल कपूर अपनी ट्रेडमार्क तीव्रता और अभिनय की गहराई सूबेदार को एक ऐसा अनुभव बनाएंगे जो न केवल दर्शकों, बल्कि समीक्षकों के दिलों को भी छू जाएगा। उत्सुकता स्पष्ट है, फैन्स पहले ही अर्जुन सिंह के इस सफर को लेकर अटकलें लगाने लगे हैं — आगे क्या मोड़ आएंगे, ये जानने को सब बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

सिंगिंग पर काम कर रहे आदित्य रॉय कपूर, बोले- जल्द रिलीज करूंगा कुछ खास

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर की अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता एक्टिंग के साथ-साथ म्यूजिक के शौक के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही अपने नए गाने को रिलीज करने वाले हैं। उन्होंने अपने गाए गाने को बेहद खास भी बताया।

उन्होंने बताया कि 'मेट्रो...इन दिनों' में एक गाना गाया है, जिस पर वह काम कर रहे हैं और जल्द ही उसे रिलीज करेंगे। बातचीत में आदित्य ने कहा, मैं लंबे समय से म्यूजिक के बारे में और इस पर काम करने को लेकर विचार कर रहा था, लेकिन अब मैं वाकई स्टूडियो में इस पर काम कर रहा हूं। जल्द ही मेरा म्यूजिक रिलीज होगा। उन्होंने बताया कि फिल्म में गाना गाने का उनका अनुभव एकदम नया है। अभिनेता ने कहा, मैंने मेट्रो...इन दिनों में गाना गाया है और प्रीतम दा और अनुराग दा को यह पसंद आया। यह मेरे लिए पहला मौका है, जो बेहद खास है।

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर ने इससे पहले आईएएनएस से खास बातचीत में बताया था कि वह खुद अपने काम के आलोचक हैं और ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि वह अपने अभिनय से संतुष्ट हुए हों। हालांकि, समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया कि अपने काम को लेकर ज्यादा तनाव नहीं लेना चाहिए और निर्देशक पर भरोसा करना चाहिए। जब आदित्य से पूछा गया कि वह अपने परफॉर्मेंस को कैसे आंकते हैं, तो उन्होंने बताया कि वह अपने काम को लेकर खुद से आलोचना करते हैं। अभिनेता ने महसूस किया है कि उतार-चढ़ाव की भावना हमेशा उसके साथ रहेगी, इसलिए उस पर ज्यादा सोचने या परेशान होने का कोई फायदा नहीं है। बस इसे स्वीकार कर लेना चाहिए।

अनुराग बसु के निर्देशन में बनी मेट्रो...इन दिनों आधुनिक रिश्तों और प्यार के रास्ते में आने वाली मुश्किलों को दिखाने वाली फिल्म है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर के साथ सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले बनी इस फिल्म का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने फिल्म का निर्माण किया है। 4 जुलाई को मल्टीस्टारर फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मगधीरा' से लेकर 'सिंघम' तक काजल ने निभाए उम्दा किरदार

साउथ-हिंदी फिल्मों में खूब जमाया रंग

काजल अग्रवाल के फिल्मी करियर को लगभग बीस साल हो चुके हैं। यह एक्ट्रेस मेगा बजट हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में लगातार अभिनय करती रही हैं। दोनों ही जगह काजल ने उम्दा किरदार निभाए। काजल अग्रवाल का जन्मदिन के मौके पर जानिए, उनके कुछ चर्चित किरदारों और फिल्मों के बारे में।

काजल अग्रवाल ने अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म 'क्यों हो गया ना (2004)' से की। इस फिल्म में काजल ने ऐश्वर्या राय की बहन का रोल किया। मगर इसके बाद काजल ने सीधा दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया। अपने बीस साल के करियर में कई बड़ी साउथ फिल्में काजल अग्रवाल ने की हैं। साथ ही कुछ हिट हिंदी फिल्मों में भी वह नजर आईं।

साउथ की इन चर्चित फिल्मों में दिखीं काजल

मगधीरा - बाहुबली से पहले एसएस राजामौली ने फिल्म 'मगधीरा (2009)' बनाई। यह एक तेलुगू फैंटेसी एक्शन ड्रामा फिल्म थी। फिल्म में लीड रोल में राम चरण थे। साथ ही इस फिल्म में काजल अग्रवाल ने एक राजकुमारी का किरदार निभाया था। फिल्म में पुनर्जन्म के बाद वह एक आम लड़की रोल में भी नजर आती हैं।

आर्या 2 - साल 2009 में ही काजल अग्रवाल ने अल्लू अर्जुन के साथ एक रोमांटिक एक्शन फिल्म 'आर्या 2' की। इस फिल्म को पुष्पा फेम डायरेक्टर सुकुमार ने निर्देशित किया था। फिल्म में एक वर्किंग वुमन के रोल में काजल अग्रवाल नजर आईं।

विवेगम - साल 2017 में रिलीज हुई अजित कुमार की फिल्म 'विवेगम' में भी काजल अग्रवाल ने लीड रोल निभाया। वह अजित के किरदार की पत्नी के रोल में दिखीं। इन फिल्मों के अलावा भी काजल ने कई हिट साउथ इंडियन फिल्मों में काम किया, वह लगभग सभी बड़े साउथ स्टार्स के साथ एक्टिंग कर चुकी हैं।

कन्नप्पा - जल्द ही रिलीज होने वाली तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' में भी काजल अग्रवाल नजर आएंगी। इस माइथोलॉजिकल फिल्म में वह माता पार्वती के रोल में दिखेंगी। वहीं शिव भगवान के रोल में अक्षय कुमार नजर आएंगे।

काजल अग्रवाल की पर्सनल लाइफ

करियर से हटकर काजल अग्रवाल की पर्सनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने साल 2020 में गौतम किचलू से शादी की। साल 2022 में काजल ने बेटे को जन्म दिया, उसका नाम नील रखा है। शादी, प्रेग्नेंसी के कारण छोटे-छोटे ब्रेक काजल अग्रवाल ने लिए, मगर वह अभिनय से दूर बिल्कुल नहीं गई।

सोशल मीडिया पर अच्छी-खासी फॉलोइंग

काजल अग्रवाल की सोशल मीडिया पर भी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर लगभग 26 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अपने लाइफ के छोटे-बड़े अपडेट्स फैंस के साथ साझा करती हैं। अपनी तस्वीरें, लुक्स भी सोशल मीडिया पर खूब साझा करती हैं।

इन हिट हिंदी फिल्मों में काजल ने किया अभिनय

कुछ महीनों पहले काजल अग्रवाल सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में भी नजर आईं। फिल्म में रश्मिका मंदाना भी थी लेकिन काजल का रोल भी काफी अहम था। एआर मुरुगदास ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया था। साल 2011 में काजल अग्रवाल ने अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम' में काव्या का किरदार निभाया था। इस फिल्म को रोहित शेट्टी ने निर्देशित किया। साल 2013 में काजल अग्रवाल अक्षय कुमार की फिल्म 'स्पेशल 26' में नजर आईं। फिल्म को नीरज पांडे ने निर्देशित किया था। फिल्म में वह अक्षय की लवर के रोल में थीं। काजल अग्रवाल ने रणदीप हुड्डा के साथ एक रोमांटिक फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी (2016)' की थी। इसमें वह एक अंधी लड़की के रोल में दिखीं। दीपक तिजोरी इस फिल्म के निर्देशक थे। अगले साल काजल अग्रवाल नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म की इन दिनों शूटिंग चल रही है।

तेजप्रताप-ऐश्वर्या मामले सुनवाई दो दिन पहले तेज प्रताप ने लिखा मेरी भूमिका न्यायालय तय करेगी

(एजेंसी)

---शुरूआत तुमने की अंत मैं करूंगा---

पटना। लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव और ऐश्वर्या राय के तलाक मामले की सुनवाई आज सिविल कोर्ट में प्रिंसिपल जज करेंगे। इससे पहले RJD की राज्य परिषद की मीटिंग के बाद तेजप्रताप ने पर लिखा कि- 'मेरी खामोशी को मेरी कमजोरी समझने की भूल करने वालों, ये मत समझना कि मुझे तुम्हारी साजिशों का पता नहीं, शुरूआत तुमने की है अंत मैं करूंगा। झूठ और फरेब के बनाए इस चक्रव्यूह को तोड़ने जा रहा हूं,तैयार रहना सच सामने आने वाला है,मेरी भूमिका मेरी प्यारी जनता और माननीय सर्वोच्च न्यायालय तय करेगी, कोई दल या परिवार नहीं। बता दें अनुष्का यादव के साथ फोटो-वीडियो वायरल होने के बाद लालू यादव ने 26 मई को तेजप्रताप को पार्टी और परिवार से निकाल दिया था। पटना के ज्ञान

भवन में RJD की राज्य परिषद की बैठक में भी उन्हें नहीं बुलाया गया। यह RJD की पहली बड़ी मीटिंग थी जिसमें तेजप्रताप नहीं थे। बता दें 22 दिन पहले सिविल कोर्ट में तलाक मामले की सुनवाई हुई थी। तब तेजप्रताप के वकील जगन्नाथ सिंह ने बताया था कि ऐश्वर्या राय के वकील ने 4 सप्ताह का समय मांगा है, लेकिन हमने कहा कि 2 सप्ताह से अधिक का समय नहीं

दिया जाए, इस पर जज ने अगली सुनवाई की तिथि 21 जून निर्धारित की है। एक तरफ तलाक मामले की सुनवाई होनी है दूसरी तरफ ऐश्वर्या ने मीडिया के सामने आकर लालू परिवार से सामाजिक न्याय की गुहार लगाई थी। ऐश्वर्या ने यह भी सवाल उठाया था कि जब तेजप्रताप दूसरे के साथ 12 साल से रिलेशनशिप में हैं तो फिर मुझसे शादी क्यों की ? एक तरफ ऐश्वर्या ने न्याय की गुहार लालू परिवार से लगाई तो दूसरी तरफ अनुष्का के भाई आकाश ने भी लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव से न्याय की गुहार लगाई थी। तेजप्रताप और ऐश्वर्या की शादी 12 मई 2018 को हुई थी। तेजप्रताप पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और रबड़ी देवी के बेटे हैं, जबकि ऐश्वर्या चंद्रिका राय की बेटी और पूर्व मुख्यमंत्री दारोगा राय की पोती हैं। शादी के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में लालू प्रसाद ने अपने समधी चंद्रिका राय को सारण से टिकट दिया, लेकिन वह हार गए। वह 2019 का ही समय था जब ऐश्वर्या ने आरोप लगाया था कि राबड़ी देवी ने मुझे बाल खींचकर मारा है, राबड़ी आवास में गार्ड ने भी मुझे मारा है। राबड़ी देवी ने मेरा फोन छीन लिया। मां-बाप को जलील कर रहे हैं। इसके बाद चंद्रिका राय और उनकी पत्नी दल-बल के साथ राबड़ी देवी के आवास पर पहुंच गए थे। तेजप्रताप यादव ने भी ऐश्वर्या पर आरोप लगाए थे।

40.35 ग्राम स्मैक के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

(एजेंसी)

पूर्णिया। के के.नगर थाना की पुलिस ने 40.35 ग्राम स्मैक के साथ 2 तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर विशु बाबा स्थान स्थित पुलिस चेक पोस्ट पर वाहन चेकिंग दौरान कार्रवाई की है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के पास से बीआर 11 एडी 8847 रजिस्ट्रेशन की एक काले और लाल रंग की ग्लेमर मोटरसाइकिल और एक मोबाइल भी बरामद किया है। पकड़ाए तस्करों में मीरगंज थाना

क्षेत्र के रंगपुरा गांव निवासी फैजुल गणी का बेटा इमामुल गणी और मीरगंज थाना क्षेत्र के बडकोना गांव निवासी मो. कमरुल का बेटा मो. राहुल शामिल है। सदर एसडीपीओ-2 विमलेन्दु कुमार गुलशन ने बताया कि 19 जून को थानाध्यक्ष नवदीप कुमार गुप्ता को गुप्त सूचना मिली थी कि बाइक पर सवार दो व्यक्ति स्मैक लेकर मीरगंज से पूर्णिया की ओर जा रहे हैं। जिसकी सूचना वरीय पुलिस पदाधिकारी पूर्णिया को दी गई। 6 सदस्यीय पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने विशु बाबा पुलिस चेक पोस्ट पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। वाहन चेकिंग के दौरान बीआर 11 एडी 8847 रजिस्ट्रेशन की ग्लेमर बाइक पर सवार तस्कर इमामुल गणी से 40.35 ग्राम स्मैक तलाशी के दौरान बरामद हुआ।

सड़क पर अवैध ब्रेकर बना विवाद बुजुर्ग गांव में पानी निकासी को लेकर मारपीट

कटहरा। थाना क्षेत्र के करहटिया बुजुर्ग गांव में सड़क पर बने अवैध ब्रेकर को लेकर विवाद हो गया। बारिश के कारण ब्रेकर के पास पानी जमा हो गया था। इस समस्या के समाधान के लिए ब्रेकर से एक ईंट हटाकर पानी निकालने की कोशिश की गई। इसी दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया और मारपीट शुरू हो गई। इस घटना में स्थानीय निवासी जुगुल राय घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालसेहान में भर्ती कराया गया। घायल जुगुल राय ने

अपने पड़ोसी के खिलाफ कटहरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग बिना पथ परिवहन विभाग की अनुमति के अपने घर के सामने सड़क पर ब्रेकर बना लेते हैं। इससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी होती है।

दो बच्चों की मां 4 बच्चों के पिता से रचाई शादी

जमुई। के सोनो प्रखंड के खपरिया गांव में दो बच्चों की मां की चार बच्चों के पिता के साथ शादी करा दी गई। दरअसल दोनों एक दूसरे से मिलने गए थे, तभी ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया। फिर शनिवार को पंचायत के फैसले के बाद दोनों की शादी करा दी गई।

वहीं रविवार से इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल बताया जा रहा है कि खपरिया गांव की रहने वाली सनुजा खातून (27) की शादी 2018 में इसी गांव के रहने वाले मो.असगर से हुई थी। असगर फिलहाल मुंबई में निजी कंपनी में काम करता है। इस बीच, सनुजा का अपने ही पुराने प्रेमी झाझा थाना क्षेत्र के बैजलपुरा गांव निवासी एकलख अंसारी (32) से दोबारा संपर्क में आ गई। बताया गया कि शादी से पहले ही दोनों का अफेयर था, जो असगर के मुंबई चले जाने के बाद यह रिश्ता फिर से नजदीकियों में बदल गया। पिछले दो सालों से एकलख और सनुजा के बीच मुलाकातों का सिलसिला चल रहा था। एकलख रात के अंधेरे और दिन के उजाले में भी कई बार मिलने सनुजा के घर खपरिया आता-जाता रहता था। प्रेमिका से मिलने पहुंचने पर ग्रामीणों ने पकड़ गांव वालों को इस प्रेम कहानी की भनक लग चुकी थी और वे मौके की तलाश में थे। आखिरकार बीते शुक्रवार की रात ग्रामीणों ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया और एकलख की जमकर पिटाई की गई और रातभर उसे गांव में बांध कर रखा गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गांव में पंचायत बैठाई गई और इसमें फैसला लिया गया,पंचायत ने दोनों के बीच संबंध को स्वीकारते हुए एक बॉन्ड बनवाया और तय किया कि अब दोनों साथ ही रहेंगे

पेज एक का शेष...

पंचायत चुनावों पर कांग्रेसी.....

आर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार इस चुनावों में सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग करेगी उसके लिए पार्टी को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की ग्रामीण जनता भाजपा को हरा कर सबक सिखाना चाहती है इसलिए कांग्रेस को इन परिस्थितियों का लाभ मिलेगा । पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि उन्होंने जिला पौड़ी में आरक्षण में हुई धांधली पर जिला अधिकारी से जवाब मांगा तो उनके पास उसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। उन्होंने कहा कि आरक्षण के खिलाफ आपत्तियों के कई मामले अब उच्च न्यायालय पहुंच गए हैं जिनकी आगामी २४ जून को सुनवाई है किन्तु कांग्रेस को अपनी पूरी तैयारी चुनाव की रखनी चाहिए।

बैठक में तय किया गया कि पार्टी इस चुनाव में ग्राम पंचायत सदस्य से लेकर जिला पंचायत सदस्य व तत्पश्चात प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष तक के चुनावों में पूरी ताकत लगाएगी व इस चुनाव में कांग्रेस का परचम लहराया जाएगा। पूर्व मंत्री डॉक्टर हरक सिंह रावत ने कहा कि पार्टी को जिला स्तर के अलावा विधानसभा व ब्लॉक स्तर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी व समन्वयक बना कर चुनाव लड़ रहे कार्यकर्ताओं को सहायता प्रदान करनी चाहिए।

पार्टी ने नियुक्त किए जिला प्रभारी- धस्माना ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष करण माहरा ने राज्य के चुनाव वाले सभी बारह जिलों की लिए जिला प्रभारी नियुक्त किए हैं। महेंद्र सिंह पाल पूर्व सांसद को चंपावत, महेंद्र सिंह लूंठी बागेश्वर, धीरेन्द्र प्रताप अल्मोड़ा, भगीरथ भट्ट प्रदेश उपाध्यक्ष पिथौरागढ़, संजीव आर्या पूर्व विधायक नैनीताल, रणजीत सिंह रावत पूर्व विधायक उधम सिंह नगर, सूर्यकांत धस्माना उपाध्यक्ष टिहरी, मंत्री प्रसाद नैथानी पूर्व मंत्री उत्तरकाशी, विक्रम सिंह नेगी विधायक रुद्रप्रयाग, वीरेंद्र जाती विधायक देहरादून, प्रदीप थपलियाल चमोली व लखपत बुटोला विधायक को पौड़ी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। धस्माना ने कहा कि पार्टी द्वारा विधानसभा स्तर पर भी चुनाव समन्वयक नियुक्त करेगी जो जिला प्रभारियों व जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्ष के साथ समन्वय बनाएंगे।

319 करोड़ दबाकर बैठे शराब....

- विभाग ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित जिलाधिकारियों से समन्वय कर राजस्व वसूली को प्राथमिकता दी जाए।
- राजस्व लक्ष्य 5060 करोड़, बकाया वसूली जरूरी
- वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी विभाग का राजस्व लक्ष्य 5060 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। ऐसे में पुराने बकाए की वसूली के साथ-साथ नए लक्ष्य को प्राप्त करना विभाग के लिए बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान प्यासा ही रहेगा, कभी बहाल नहीं होगी सिंधु जल संधि: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि कभी बहाल नहीं होगी क्योंकि पड़ोसी देश ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है और इस्लामाबाद को वह पानी नहीं मिलेगा, जो उसे अनुचित तरीके से मिल रहा था। पाकिस्तान प्यासा रह जाएगा। एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा, 'नहीं, यह कभी बहाल नहीं होगी। अंतरराष्ट्रीय संधियों को एकतरफा रद्द नहीं किया जा सकता, लेकिन हमें इसे निलंबित करने का अधिकार था, जो हमने किया है। संधि की प्रस्तावना में उल्लेख है कि यह दोनों देशों की शांति और प्रगति के लिए थी, लेकिन एक बार जब इसका उल्लंघन हो गया, तो बचाने के लिए कुछ नहीं बचा।

शाह ने आगे कहा, हम उस पानी का उपयोग करेंगे जो सही मायने में भारत का है। हम उस पानी को एक नहर बनाकर राजस्थान तक ले जाएंगे जो पाकिस्तान को जा रहा था। पाकिस्तान को वह पानी नहीं मिलेगा जो वह अनुचित रूप से प्राप्त कर रहा था। शाह ने कहा, हम पाकिस्तान की ओर से किए गए किसी भी हिमाकत के खिलाफ बिना किसी देरी के कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा कि पर्यटकों ने कश्मीर की यात्रा फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने भारत में नागरिक स्थानों पर हमला किया, लेकिन भारत ने उनके हवाई अड्डों को नुकसान पहुंचाकर करारा जवाब दिया, जिससे पाक को घुटने टेकने पड़े और सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी।

उन्होंने कांग्रेस पर ऑपरेशन सिंदूर की लगातार आलोचना करने का भी आरोप लगाया और कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, उनके समय में क्या होता था? कांग्रेस हमें आतंकवाद के मुद्दे पर कैसे सवाल कर सकती है? वह कुछ नहीं करती थी सिवाय एक मंत्री बदलने के। सभी राजनीतिक दलों में कांग्रेस को निश्चित रूप से हमें आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है।

दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। उस पहलगाम अटैक में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी और बढ़ गई। इसका नतीजा हुआ कि भारत ने सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इतना ही नहीं, भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को निष्कासित करने जैसे कई कूटनीतिक निर्णय लिए। पहलगाम अटैक की निंदा करते हुए अमित शाह ने इसे 'कश्मीर में शांति को बाधित करने, बढ़ते पर्यटन को रोकने और कश्मीरी युवाओं का ध्यान भटकाने का जानबूझकर किया गया प्रयास' कहा। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी ने पहले कभी भारत के साथ इतनी एकजुटता नहीं दिखाई थी। ऑपरेशन सिंदूर के मकसद पर अमित शाह ने कहा, 'पीएम के सार्वजनिक घोषणा के अनुसार पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को सजा देने के लिए हमने आतंकवादी लॉन्चपैड पर सीमित हमले किए और यह बहुत स्पष्ट कर दिया कि यह एक लक्षित हमला था। पाकिस्तान ने आतंकवादियों पर हमारे हमले को अपनी क्षेत्रीयता पर हमला माना, जिससे अंतर समाप्त हो गया।

उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर कसा तंज कहा- हारते हैं तो ईवीएम को दोष देते हैं

नई दिल्ली। कहने को जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन में शामिल हैं लेकिन कांग्रेस के कान उमेठने में पीछे नहीं रहते। उन्होंने कहा है कि अगर आप चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं तो बहाने मत बनाइए। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस से जो भी बातें आप सुनते हैं, वह कांग्रेस का खुद का मत है। जम्मू कश्मीर के सीएम ने कहा कि मैं इन बातों को साझा नहीं करता। एक इंटरव्यू में अब्दुल्ला ने कहा कि इसका कारण बहुत स्पष्ट है। अगर मैं किसी चीज में सफल नहीं हो रहा हूं तो इसको लेकर बहाने नहीं बनाता हूं। यदि मुझे चुनावी परिणामों के साथ कोई समस्या है, तो मुझे यह तब भी होनी चाहिए जब मैंने जीत हासिल की हो। पिछले विधानसभा चुनाव में मेरी पार्टी ने उम्मीद से बेहतर किया। किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि हमें इतनी ज्यादा सीटें मिल जाएंगी। बता दें कि चुनाव में हार के बाद कांग्रेस पार्टी अक्सर ईवीएम और इलेक्शन कमीशन पर उंगली उठाती रही है। इसको लेकर जम्मू उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी ने लगातार ईवीएम पर सवाल उठाए। पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में अनियमितता और पारदर्शिता के अभाव का आरोप भी लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने इंडिया गठबंधन पर भी सवाल उठाए। उमर अब्दुल्ला ने कहाकि गठबंधन के नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावी नतीजों के बाद से एक बैठक तक नहीं की है। बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेताओं ने ईवीएम सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था। साथ ही फिर से बैलट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग रखी थी। पार्टी ने सर्वदलीय चर्चा की भी मांग उठाई थी, ताकि खोटरों का भरोसा जीता जा सके। अब्दुल्ला ने कहाकि अगर मुझे जीतने के बाद कोई शिकायत नहीं होती है तो हारने के बाद भी ऐसा ही होना चाहिए।

वाराणसी से प्रधानमंत्री आवास योजना में 242 लाभार्थियों ने सब्सिडी का पैसा लिया लेकिन मकान नहीं बनाया

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में घपले का मामला सामने आया है। दरअसल, योजना के 242 लाभार्थियों के सब्सिडी का पैसा लेकर बैठने की बात खुली है। ये लाभार्थी करीब 6 करोड़ रुपये की राशि दबाकर बैठे हैं। इन लाभार्थियों ने योजना मद में भुगतान कराया, लेकिन भवन निर्माण का डॉक्यूमेंट नगरीय विकास अभिकरण (डीयूडीए) को उपलब्ध नहीं कराया। इसके बाद विभाग की ओर से लाभार्थियों को नोटिस जारी किया। इस नोटिस का महीनों बीतने के बाद भी कोई जवाब नहीं आया। अब तहसील प्रशासन की मदद से विभाग ने अमीनों के जरिए वसूली की कार्रवाई शुरू की है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री आवास योजना के पहले चरण में 40 हजार आवास का आवंटन हुआ। इन आवासों का निर्माण 5 लाख रुपये की लागत से होना है। इसमें से आधी राशि यानी ढाई लाख रुपये सरकार की ओर से सब्सिडी के तौर पर मिलती है। वहीं, बचे ढाई लाख रुपये लाभुकों को लगाकर मकान का निर्माण कराना है। पीएम आवास योजना का दूसरा चरण शुरू है। 30 जून तक सर्वे और सत्यापन का कार्य पूरा होना है। इसके बाद आवास आवंटन की प्रक्रिया शुरू होनी है। राज्य सरकार ने दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होने से पहले प्रथम चरण के कार्यों को पूर्ण कराने का निर्णय लिया है। इस क्रम में प्रथम चरण में जारी की गई राशि के खर्च की जानकारी जुटाई जा रही है। इसी क्रम में वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है। डूडा ने पाया कि 500 लाभार्थी हैं, जिन्होंने सब्सिडी की राशि का भुगतान करा लिया, लेकिन भवन निर्माण से संबंधित फोटो, वीडियो और अन्य डॉक्यूमेंट उपलब्ध नहीं कराए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ओम बिरला, नड्डा और सीएम यादव ने दी शुभकामनाएं

योग जीवन को संतुलन बनाए रखने की पुरानी भारतीय परंपरा इसे अपनाएं

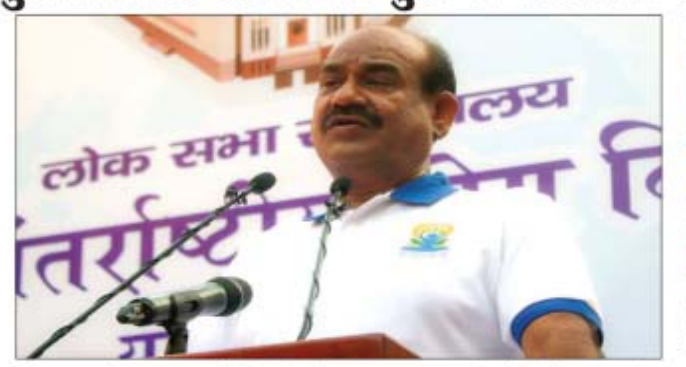

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश-दुनिया में लोग योगाभ्यास करते दिखे। इस बार की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग पर आधारत थी। इस विशेष दिन की लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। ओम बिरला ने योग को तन ही नहीं बल्कि मन के लिए भी जरूरी बताया। ओम बिरला ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्य योगाग्निमयं शरीरम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का जरिया ही नहीं, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि, चित्त की स्थिरता और जीवन के हर पहलू में संतुलन बनाए रखने की चिर पुरातन भारतीय परंपरा है। यह हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो आज सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, शांति और समरसता की ओर ले जा रही है। योग आज एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है, जिसे विश्वभर में करोड़ों लोग अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना चुके हैं। इस साल की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है, जो हमारे लोकवाक्य सर्वे संतु निरामयाः की भावना से प्रेरित होकर मानव और पृथ्वी के सामूहिक कल्याण की समग्र दृष्टि को अभिव्यक्त करता है।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम स्वयं और समाज के लिए योग की भावना को आत्मसात करें, स्वयं योग से जुड़ें और अपने आस-पास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त मानव जाति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक निरामय के साथ वैश्विक शांति एवं कल्याण की मंगलकामना करता हूं।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी एक्स पर एक वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए लिखा- योग सिर्फ कसरत नहीं है यह एक अभ्यास है। सांस, संतुलन और गति के ज़रिए हम खुद से जुड़ते हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। वहीं मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने भी

मानसिक और आध्यात्मिक उन्नयन के लिए इसे जरूरी बताया और एक्स पर लिखा- सभी प्रदेशवासियों एवं योग साधकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भारत की ऋषि परंपरा ने मानसिक और आध्यात्मिक उन्नयन के साथ शरीर को भी स्वस्थ रखने के लिए योग विद्या प्रदान की। पीएम मोदी ने विश्व कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग की अलख जगाकर विश्व बंधुत्व की भावना को प्रबल बनाया है। हम सब योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और स्वस्थ भारत-समर्थ भारत की दिशा में अपना योगदान दें।

संभावित आपदाओं से बचाव को रहें तैयार:डीएम

देहरादून (सू.वि.)। जिलाधिकारी सविन बंसल ने विगत दिवस ऋषिकेश में जलभराव समस्या के समाधान को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर अमित ग्राम गुमानीवाला में लोनिवि ने ड्रेनेज कार्य शुरू कर कर दिया है ।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से स्पष्ट किया कि किसी भी हालत में ऋषिकेश शहर के जलभराव का समाधान करना है, इसके लिए लोनिवि को तत्काल खुदाई करते हुए जलभराव के मुख्य कारक गुमानीवाला चौक ह्यूम पाइप ड्रेनेज की सफाई तथा अलाइमेंट कार्य को तत्काल करने के निर्देश दिए थे, जिसके लिए फंड की स्वीकृति जिलाधिकारी ने मौके पर ही जारी की। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण के अधिकारियों से कड़े शब्दों में कहा कि जनमानस, महिला, बुजुर्ग,बच्चों को जलमग्न नहीं रहने दे सकते। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी हालत में ऋषिकेश शहर के जलभराव समाधान करने के निर्देश दिए थे, जिसके फल स्वरुप जल भराव से निकासी का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

ऋषिकेश शहर में बरसात के दौरान जलजमाव की समस्या पर जिलाधिकारी ने जल निगम को पानी निकासी के लिए ठोस प्लानिंग के साथ काम करने के निर्देश दिए। वहीं

गुमानीवाला अमित ग्राम के पास नाली चौक होने की समस्या पर लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि पानी निकासी के लिए पूर्व में बिछाई गए ह्यूम पाइप को निकाल कर उसका एलाइनमेंट ठीक करें। ताकि पानी की उचित ढंग से निकासी हो सके।

फोरलेन से दुश्वारियां: कोटला बाजार में बस का इंतजार करती रहती हैं सवारियां

पठानकोट(ब्यूरो)। पठानकोट-मंडी फोरलेन पर कोटला में निर्मित सुरंगों से यातायात शुरू हो जाने के कारण बसों के सुरंगों से निकल जाने के चलते कोटला बाजार में बसों का इंतजार कर रही सवारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सवारियां कोटला बाजार में बसों का इंतजार करती रहती हैं जबकि बसें कोटला सुरंगों से होकर निकल जाती हैं। करीबन 200 साल पुराने बस स्टॉप कोटला की अनदेखी की जा रही है। बसों के कोटला बाजार से न गुजरने के कारण कोटला बाजार, पुलिस चौकी कोटला, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटला, उपतहसील कोटला, माता बगलामुखी मंदिर कोटला, जल शक्ति विभाग कोटला, लोक निर्माण विभाग कोटला, बिजली विभाग कोटला, आईटीआई कोटला व कोटला स्कूल में आने जाने वालों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। लोगों को दो से तीन किलोमीटर का पैदल सफर करके आना पड़ रहा है। कुछ निजी बसों के परिचालक सवारियों को त्रिलोकपुर के पास सुरंग के मुहाने पर तथा दूसरी तरफ कैहरना में सुरंग के मुहाने पर यात्रियों को जबरन उतार दे रहे हैं। जिन जगहों पर सवारियों को उतारा जाता है, वहां पर घना जंगल है जिस कारण कोई भी हादसा हो सकता है। व्यापारियों ने कहा कि बसों के कोटला बाजार से न गुजरने के कारण व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। व्यापारियों सहित लोगों ने चेताया है कि अगर बसें कोटला बाजार से न गुजरीं तो फोरलेन पर धरना देने को मजबूर होना पड़ेगा। व्यापार मंडल कोटला के अध्यक्ष अरविंद कुमार, पूर्व पंचायत प्रधान योगराज मेहरा, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रदीप शर्मा, जीवन कुमार व समस्त व्यापार मंडल ने हिमाचल प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री, पशुपालन एवं कृषि मंत्री चंद्र कुमार से मांग की है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आफॅसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादकः विभोर त्रिखा-09927012330